Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding water shortage in Maharastra.

श्रीमती सुप्रिया सदानन्द सुले (बारामती): सभापति महोदय, आज मैं यहां एक बहुत ही संवेदनशील विषय पर बोलने के लिए खड़ी हुई हूं । मैं महाराष्ट्र के जिस क्षेत्र से आती हूं, आज वहां पानी की बहुत समस्या है । पिछले साल बारिश भी ठीक हुई थी, लेकिन जो बड़े बांध हैं, उसमें से एक बड़ा बांध मेरे क्षेत्र में आता है जिसको उजनी डैम कहते हैं, वह हंड्रेड परसेन्ट भरा था, लेकिन इस सरकार की मिस्मैनेजमेन्ट की वजह से अभी डेड वाटर ही बचा है । इसके लिए महाराष्ट्र सरकार ने तीन बड़ी योजनाएं बनाईं । पहली जलयुक्त शिवार योजना है, जिसमें आठ हजार करोड़ रुपये खर्च हुए, लेकिन किसी जिओलॉजिस्ट से नहीं पूछा, इसलिए आज पूरा जलयुक्त अभियान पूरा खाली पड़ा है । उसका कोई उपाय नहीं हो रहा है ।

दूसरा, महाराष्ट्र के माननीय मुख्य मंत्री जी ने टैंकर मुक्त महाराष्ट्र के नाम से एक योजना चलायी थी । उनका डेटा भी कह रहा था कि महाराष्ट्र टैंकर मुक्त हो गया है । सर, आज मीडिया में देखिए, न्यूज़ पेपर पढ़िए, हर जगह टैंकर माफिया के बारे में सुनने को मिलता है । इससे आम आदमी को बहुत दिक्कत हो रही है । यह सिर्फ ग्रामीण भाग का इश्यू नहीं है । आज शहरों में भी, चाहे वह नासिक हो, पूना हो, मुम्बई हो, हर जगह पानी की कमी हो रही है, वाटर कट्स हो रहे हैं । आज चाहे कोई बिल्डिंग में रहने वाला हो या कोई किसान हो, आज कहीं भी पैसे दिए बिना टैंकर नहीं मिल रहा है । आज हमारे यहां जो पानी की समस्या है और महाराष्ट्र में जो सूखा चल रहा है, उसके बारे में सोचा जाए । केन्द्र सरकार को पानी के लिए महाराष्ट्र को कुछ मदद करनी चाहिए ।